लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 1-15 जून 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -43

"छोटी छोटी बातों में ही हमारे सिद्धांतों की परीक्षा होती है"

: महात्मा गांधी

खरखौदा में तीसरा संयंत्र स्थापित करेगी मारुति

3

व्यर्थ न बह जाए बरसात का पानी

6

हरियाणवी उद्योग को उत्साह दे गया फिल्म समारोह

8

महापुरुष समाज की अमूल्य धरोहर: सीएम

करनाल में धूमधाम से मनाई गई महर्षि कश्यप जयंती

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशेष प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हमारे संत-महात्मा, गुरु और महापुरुष न केवल हमारी अमूल्य धरोहर हैं बल्कि हमारी प्रेरणा भी हैं। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को सम्भालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इसलिए 'संत-महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना' के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम हरियाणा सरकार कर रही है। महर्षि कश्यप के अलावा कबीर दास जी, महर्षि वाल्मीकि, डॉ. भीमराव अम्बेडकर और गुरु रविदास जी आदि की जयंती को राज्य स्तर पर मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश वर्ष को देश भर में मनाने का निर्णय लिया। इसी प्रकार दशम पातशाह श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहबज़ादों जोरावर सिंह और फतेह सिंह के शहीदी दिवस 26 दिसम्बर को हर वर्ष 'वीर बाल दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। प्रदेश में श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व और श्री गुरु

गोविन्द सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में भी राज्य स्तरीय आयोजन किये गए।

महर्षि कश्यप चेयर स्थापित की जाएगी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने करनाल में आयोजित महर्षि कश्यप जयंती समारोह के दौरान भारी जनसमूह को संबोधित करते हुए कश्यप समाज के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि महर्षि कश्यप के जन्मोत्सव को रिस्ट्रिक्टेड अवकाश की लिस्ट में शामिल किया जाएगा। महर्षि कश्यप की जीवनी पर शोध के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में महर्षि कश्यप चेयर स्थापित की जाएगी जिसके लिए इस वर्ष 15 लाख की राशि विश्वविद्यालय को दे दी जाएगी।

करनाल सेक्टर 14 का चौक महर्षि कश्यप के नाम से होगा तथा जुंडला राजकीय कालेज का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि महर्षि कश्यप की जयंती हर साल ऐसे ही राज्य स्तरीय समारोह आयोजित करके मनाई जाएगी तथा उनके नाम पर एक अंत्योदय कौशल रोजगार केन्द्र भी खोला जाएगा। मुख्यमंत्री ने कश्यप समाज की 4 धर्मशालाओं करनाल, कुरुक्षेत्र, बिलासपुर और सफीदों के लिए 44 लाख रुपए अनुदान की घोषणा की।

मानव जाति का मार्गदर्शन

मनोहर लाल ने कहा कि मुनिराज कश्यप महान परोपकारी और प्रजापालक थे। उन्होंने समाज को एक नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महान ग्रंथों की रचना की। ऐसे महान ऋषि का प्रेरणादायक व्यक्तित्व मानव जाति का सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा। उन्होंने कहा कि कश्यप समाज का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवपूर्ण रहा है। इस समाज ने रामायण काल में निषाद जैसे बलशाली राजा दिये। राजा निषाद ने ही वनवास के समय प्रभु श्री रामचंद्र जी को अपने यहां आश्रय दिया था। भक्त प्रहलाद भी इस समाज की देन हैं। महर्षि कश्यप का वंशज यह समाज, बहादुर और कमेरे वर्ग का समाज माना जाता है।

उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में इस समाज की सराहनीय भूमिका रही है। समाज के लोग साहसी, वीर, परिश्रमी और स्वाभिमानी हैं।

ताकि गरीब किसी का मोहताज न रहे

प्रदेश में गरीब परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल का मानना है कि छोटी-मोटी आर्थिक मदद से किसी परिवार की गरीबी स्थाई रूप से दूर नहीं होगी, उसके लिए उसे अपने पैरों पर खड़ा होना होगा। सरकार का प्रयास है कि हर गरीब परिवार को सामर्थ्य अनुसार रोजगार मुहैया कराया जाए ताकी वह किसी की मदद का मोहताज न रहे। राज्य सरकार गरीब परिवारों के लिए अनेक योजनाएं शुरू कर चुकी है ताकि वे आत्मनिर्भर हों।

'अन्त्योदय' के आदर्श पर चलते हुए हरियाणा सरकार प्रदेश में उन परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही है जो किन्हीं कारणों से पिछड़े रह गए। सभी वर्गों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इस वर्ष को अन्त्योदय उत्थान वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री 'अंत्योदय परिवार उत्थान योजना' के तहत सबसे गरीब परिवारों की पहचान करके उनकी वार्षिक आय कम से कम 1.80 लाख रुपए की जा रही है। इस योजना के तहत अब तक एक लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले लगभग 2 लाख 49 हजार परिवारों की पहचान की गई है। योजना के तहत दो चरणों में 156 स्थानों पर 570 मेला दिवस आयोजित किए गए, जिनमें एक लाख 22 हजार परिवार शामिल हुए। अब इसका तीसरा चरण चल रहा है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स

सुनो ग़ौर से दुनिया वालो .. ..

मनोज प्रभाकर

बैडमिंटन की अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा 'उबेर कप' में बेहतरीन प्रदर्शन करके लौटी भारतीय टीम की 14 वर्षीय सदस्या उन्नति हुड्डा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब उनकी सफलता का राज पूछा तो उन्होंने कहा- 'देसां में देस हरियाणा, जित दूध-दही का खाणा।' प्रधानमंत्री उन्नति के इस जवाब से काफी प्रसन्न हुए तथा उन्हें और उन्नति का आशीर्वाद दिया।

युवा खिलाड़ी उन्नति ने बता दिया कि हरियाणा की मिट्टी व आबोहवा में वह सब कुछ है जो खेल को चाहिए। सूबे की इस मिट्टी को उर्वरा बनाने तथा खेल को संस्कृति का जामा पहनाने का कार्य यहां की सरकार बराबर कर रही है। प्रदेश में जब से मनोहर सरकार बनी है तब से मानो यहां पदकों की खेती होने लगी है। यह राज्य सरकार की खेल नीतियों का परिणाम है कि युवाओं में खेलों के प्रति जुनून सिर चढ़कर बोल रहा है। खास बात यह कि किसी भी खेल में छोरियां छोरों से उन्नीस दिखाई नहीं दे रही हैं।

खेलो इंडिया की मेजबानी ने इस जुनून को और बढ़ा दिया है। चार से 13 जून तक हरियाणा में होने वाले इन खेलों की 'मशाल यात्रा' जहां जहां से गुजरी युवाओं में खेलों के प्रति संचार होता चला गया।

राज्य सरकार भी इस आयोजन को अविस्मरणीय बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। बता दें खेलो इंडिया के इतिहास में 8500 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल हरियाणा आ रहा है, जो राज्य के लिए गौरव की बात है। मुख्य सचिव संजीव कौशल ने कहा कि प्रबंधन को इन खेलों का सफल आयोजन कर नया कीर्तिमान बनाना है, ताकि हरियाणा की मेजबानी का दुनिया भर में डंका बजे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत पंचकूला में 19 खेल, चंडीगढ़ में दो, अंबाला में दो, शाहबाद में एक तथा दिल्ली में दो खेल आयोजित किये जाएंगे। सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के

महानिदेशक डॉ अमित अग्रवाल ने बताया कि इस भव्य आयोजन को प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों के लिए यादगार बनाने के उद्देश्य से खेलो इंडिया यूथ गेम्स-2021 के तहत सभी जिलों में राहगीरी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हर उम्र के लोगों ने इसमें बड़ी उमंग व उत्साह के साथ भाग लिया।

ओलंपियन योगेश्वर दत्त ने कहा कि आने वाले ओलंपिक में हरियाणा के खिलाड़ी देश के लिए और अधिक पदक लायेंगे। हरियाणा की बेहतरीन खेल नीति के चलते प्रदेश के खिलाड़ियों ने ओलंपिक में 50 प्रतिशत पदक देश के लिए जीते हैं। हरियाणा के 50 प्रतिशत पदकों में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी सोनीपत की रही है। सोनीपत पहुंची मशाल यात्रा के दौरान जैन विद्यालय के विद्यार्थियों ने 'सुनो गौर से दुनियां वालो बुरी नजर न हम पे डालो।' देशभक्ति समूह नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

संपादकीय

कश्यप जयंती के बहाने स्मरण हो आए सप्तर्षि

समाज का कोई भी वर्ग उपेक्षित न रहे, अपनी कार्यशैली की यही सोच प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस बार कश्यप ऋषि के अनुयायियों के बीच ले गई।

हम कई बार अपनी सुविख्यात विभूतियों को अनायास ही भूलने लगते हैं और याद भी करते हैं तो केवल औपचारिकतावश, 'लेकिन जब जयंती या जन्मोत्सव के बहाने उनके महत्व पर दृष्टि जाती है तो अपने आप भी आश्चर्य होता है कि अब तक ऐसी महान विभूति को पूरी गरिमा के साथ याद क्यों नहीं किया।

महर्षि कश्यप का महत्व मात्र एक सीमित-समुदाय के लिए नहीं है। वे सप्तर्षियों में से एक थे और ऋग्वेद की अनेक ऋचाएं, विशेष रूप से मंडल-9 की अधिकांश ऋचाएं इसी महान ऋषि की देन हैं। सर्वाधिक प्राचीन उपनिषद् वृहद्अरण्यक में भी उनका पूरा-पूरा उल्लेख है।

एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि गौतमबुद्ध ने जिन दस महर्षियों को अपने विचारों में सर्वोच्च स्थान दिया था उनमें कश्यप ऋषि को भी उन्होंने शामिल किया था। बौद्ध ग्रंथों में उन्हें महर्षि कस्सप (पाली-भाषा में काश्यप) के नाम से पुकारा गया था।

कुछ पाश्चात्य विद्वान, उदाहरणार्थ क्रिस्टोफ़र स्वेडन के अनुसार, कश्मीर का नाम भी कश्यप ऋषि के नाम से रूप से जुड़ा हुआ था। संस्कृत शब्द 'कश्यप-मेरू' अर्थात् 'पावन कश्यप पर्वत शृंखला' का संबंध भी इस महान ऋषि से था।

अब मुख्यमंत्री महोहर लाल ने महर्षि कश्यप के जन्मोत्सव पर महर्षि कश्यप की जीवनी पर शोध के लिए कुरुक्षेत्र विवि में विशेष व्यवस्था कर 15 लाख रुपए देने का ऐलान किया है।

इसके अलावा उन्होंने करनाल, कुरुक्षेत्र, बिलासपुर और सफीदों में कश्यप समाज की चार अधूरी धर्मशालाओं के लिए भी 11-11 लाख रुपए स्वीकृत करने की बात कही। यही नहीं, उन्होंने करनाल में एक चौक और महाविद्यालय का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर रखने की सहमति दी है। महर्षि कश्यप की स्मृति में राज्यस्तरीय जयंती समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने गत सप्ताह उक्त घोषणाएं की।

हरियाणा कश्यप राजपूत सभा की ओर से आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह का आयोजन करनाल की अनाज मंडी परिसर में किया गया था। हज़ारों की संख्या में प्रदेश भर से जुटे समाज के लोगों को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कई सौगातें दीं। साथ ही भरोसा दिलाया कि हर साल महर्षि कश्यप की जयंती इसी तरह से राज्यस्तरीय समारोह के तौर पर मनाई जाएगी। उन्होंने प्रदेश में खोले जाने वाले अंत्योदय कौशल रोजगार केंद्रों में से किसी एक केंद्र का नाम महर्षि कश्यप के नाम पर रखने की भी घोषणा की। वहीं करनाल के सेक्टर-14 में मेरठ रोड पर स्थित डीसी कालोनी के पास वाले चौक और जुंडला के राजकीय महाविद्यालय के नाम महर्षि कश्यप राजकीय महाविद्यालय रखने का ऐलान किया गया है। ये सभी घोषणाएं महान ऋषियों की देन को स्मरण कराने वाली हैं।

-डॉ. चन्द्र त्रिखा

मतदाता सीधे चुनेंगे मेयर

प्रदेश में स्थानीय निकायों के चुनाव की घोषणा हो गई है। 19 जून को 7 से 6 बजे तक मतदान होगा तथा मतगणना 22 जून को होगी। इस बार मतदान का समय एक घंटे के लिए बढ़ा दिया गया है।

राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने बताया कि इन नगर पालिकाओं एवं नगर परिषदों के चुनावों में कुल 888 वार्ड होंगे। इन वार्डों में 107 सीटें अनुसूचित जाति के लिए, 73 सीटें अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए और 239 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इसके अलावा, 469 सीटें अनारक्षित हैं।

धनपत सिंह ने बताया कि मेयर पद का चुनाव सीधा होगा। पुरुषों के लिए 10वीं पास होना जरूरी है, जबकि एससी महिला और सामान्य महिला के लिए शैक्षणिक योग्यता 8 वीं पास है। मेयर का कार्यकाल 5 साल के लिए होगा। 46 नगर परिषद व नगर पालिकाओं के चुनाव में कुल 18 लाख 20 हजार मतदाता भाग लेंगे। इसमें से 9 लाख 65 हजार 547 पुरुष व 8 लाख 64 हजार 612 महिला मतदाता, 49 ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

30 मई से नामांकन शुरू होगा, जो 4 जून तक चलेगा। 6 जून को 11.30 बजे से 3 बजे तक छंटनी होगी। 7 जून को नाम वापस लिया जा सकता है और मतदान केंद्र की लिस्ट जारी होगी। 19 जून को मतदान होगा और 22 जून को मतगणना होगी।

नारायणगढ़ नगर पालिका, अंबाला सदर नगर परिषद, भिवानी नगर परिषद, चरखी दादरी नगर परिषद, रतिया नगर पालिका, भूना नगर पालिका, फतेहाबाद और टोहाना नगर परिषद, सोहना नगर परिषद, हांसी नगर परिषद, बरवाला नगर पालिका, सफीदों, उचाना नगर पालिका, जींद और नरवाना नगर परिषद, बहादुरगढ़ और झज्जर नगर परिषद, इस्माइलाबाद, शाहाबाद, पिहोवा और लाडवा नगर पालिका, घरौंडा, तरावड़ी, निसिंग और असंध नगर पालिका,चीका, राजौंद नगर पालिका, कैथल नगर परिषद, नारनौल नगर परिषद, महेंद्रगढ़ और नांगल चौधरी नगर पालिका, फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना नगर पालिका, नूंह नगर परिषद, कालका नगर परिषद, समालखा नगर पालिका, होडल और पलवल नगर परिषद, महम नगर पालिका, बावल नगर पालिका, गन्नौर, कुंडली नगर पालिका, गोहाना नगर परिषद, ऐलनाबाद, रानियां नगर पालिका, मंडी डबवाली नगर परिषद तथा सढौरा नगर पालिका।

संपत्तियों की पुनर्अवंटन प्रक्रिया हुई सरल

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की पांच विशिष्ट सेवाओं का शुभारंभ हुआ। इन सेवाओं का उद्देश्य राज्य सरकार के ईज ऑफ डूईंग को नई गति प्रदान करना है।

यह राजस्व विभाग से समन्वय के साथ एक अभिन्न प्रि या है । जिससे आवंटी की परेशानी को कम किया जा सकेगा । इसमें पुनः आवंटन के लिए आवेदन, ओटीपी आदि जैसी कुछ अनावश्यक प्रक्रियाओं को समाप्त कर दिया गया है । इसने पुनः आवंटन सेवा का समय घटाकर एक दिन कर दिया है जो पहले 4 दिन था।

एचएसवीपी ऑन व्हील्स

तकनीक के युग के साथ कदम बढ़ाते हुए एचएसवीपी ने अपनी डिजिटल सेवा शुरू की है। यह सेवा उन आंवटियों के लिए है, जो स्वास्थ्य सम्बंधी कारणों से कार्यालय नहीं आ सकते । वे स्थानांतरण अनुमति के लिए अपने घर पर ही बायोमेट्रिक उपस्थिति सेवा का लाभ उठा सकते हैं। आवंटी अपनी सुविधा के अनुसार एक स्लॉट चुन सकता है। इसके बाद उसके घर पर उपकरणों से सुसज्जित वाहन भेजा जाएगा। 4 मरला से कम आकार के प्लाट आवंटी के लिए यह सेवा निःशुल्क है। अन्य को एक निर्धारित शुल्क देना होगा।

कहीं से भी उपस्थिति दर्ज

ईज ऑफ डुईंग बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए एचएसवीपी ने एक सेवा शुरू की है जिसका उपयोग करके कोई भी कही से भी अपनी बायोमेट्रिक उपस्थिति को दर्ज कर सकता है जो कि निकटतम संपदा कार्यालय के लिए स्थानांतरण अनुमति का हिस्सा है। पहले इसके लिए उसी सम्पदा कार्यालय आना होता था जिसके दायरे में आवंटी की सम्पत्ति आती है। अब कार्यालय में आने की आवश्यकता नहीं रहेगी। इससे खरीदार और विक्रेता दोनों के लिए प्रक्रिया सुविधाजनक बन गई है ।

डेटा सुधार मॉड्यूल

एचएसवीपी ने इस मॉड्यूल को आवंटी को त्रुटियों को ठीक करने और एचएसवीपी के पीपीएम डेटाबेस में सम्पत्ति - संबंधी विशेषताओं को अपडेट करने का अवसर देने के लिए शुरू की है। अब पहले की तरह एचएसवीपी मुख्यालय जाने की आवश्यकता नहीं है। आवंटी को ऑफर के अपडेशन, कब्जे की तारीख आवंटी के विवरण, जीपीए धारक , प्लॉट मेमो आदि जैसी कुछ सेवाओं के लिए किसी भी कार्यालय जाने की जरूरत नहीं है। इसे कहीं से भी ऑनलाइन किया जा सकता है। बाकी सेवाएं जैसे कि प्लॉट की कैटेगरी बदलने से संबंधित अपडेशन, फिंगरप्रिंट इश्यू, प्लाट की अनब्लॉकिंग आदि का कार्य संपदा कार्यालय में किया जा सकता है।

इंजीनियरिंग विंग की सेवा का विस्तार

एचएसवीपी की मौजूदा सेवाओं के अलावा आज 11 सेवाएं आईटी प्लेटफॉर्म पर शुरू की जा रही हैं । इनमें पानी की लाइन की मरम्मत, सड़क की सफाई, गड्ढों की मरम्मत, मेनहोल की मरम्मत जैसी सेवाएं शामिल हैं। इस नई शुरुआत से नागरिकों को समय पर सेवाएं मिलनी सुनिश्चित होंगी। नागरिक इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए कहीं से भी आवेदन कर सकते हैं।

-संवाद ब्यूरो

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

हरियाणा के विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों की फीस का भुगतान सरकार की ओर से किया जाएगा। इसके लिए शीघ्र ही नई योजना लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि जो भी प्लाईवुड का नया उद्योग लगाया जाएगा उसे 10 साल तक 1.5 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। उद्योग में निर्यात करने के लिए एक प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी।

खरखौदा में तीसरा संयंत्र स्थापित करेगी मारुति

मारुति हरियाणा में अपना तीसरा संयंत्र स्थापित कर रही है। एमएसआईएल ने आईएमटी खरखौदा में अतिरिक्त 800 एकड़ भूमि की खरीद की है। परियोजना की कुल लागत अनुमानतः 18,000 करोड़ रुपए होगी। इसमें 13,000 कुशल, अकुशल और अर्ध-कुशल व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजित करने की क्षमता है। एमएसआईएल के साथ ही, सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भी इंजन सहित दोपहिया वाहनों के लिए एक एकीकृत विनिर्माण सुविधा स्थापित करने हेतू 100 एकड़ भूमि की खरीद की है। कुल परियोजना लागत 1,466 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जिसमें 2,000 कुशल, अकुशल और अर्ध-कुशल व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजित करने की क्षमता है।

हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड /सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता हुआ है। स्थापित होने वाली इस पहली विनिर्माण सुविधा में प्रति वर्ष 250,000 वाहनों के निर्माण की क्षमता होगी। इसके वर्ष 2025 तक चालू होने की संभावना है। भूमि स्थल में क्षमता विस्तार के लिए जगह होगी और भविष्य में इसमें और अधिक उत्पादन संयंत्र स्थापित होंगे।

समझौता हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मारुति के कारण गुरुग्राम विकसित हुआ। इनके कारण से गुरुग्राम के अंदर ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का इजाफा हुआ, कई कंपनियां यहां आई। अन्य इंडस्ट्री ने भी गुरुग्राम की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन आरसी भार्गव से निवेदन किया कि मारुति का कॉरपोरेट ऑफिस अभी तक दिल्ली में है, इसे भी हरियाणा शिफ्ट किया जाए। मनोहर लाल ने कहा कि हमने इंडस्ट्री को सभी प्रकार की सुविधाएं दी हैं। सर्विसेज के लिए भी सुविधाएं देनी शुरू की हैं। चाहे एजुकेशन, हेल्थ अथवा आईटी से जुड़ी सर्विसेज हो, सभी को बुनियादी सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम उद्योग के नाते लगातार आगे बढ़ रहे हैं। जो भी सहायता चाहिए, पॉलिसी में जो भी बदलाव चाहिए, हम सब करने को तैयार। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी डिमांड और सुझाव के हिसाब से हम आगे बढ़ेंगे।

विकसित होता खरखौदा आईएमटी

खरखौदा का औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (आईएमटी), जहां एमएसआईएल अपनी परियोजना स्थापित करेगा, विश्व स्तरीय आधारभूत अवसंरचना के साथ एक एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप है, जो लगभग 3,217 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। यह रणनीतिक रूप से पश्चिमी परिधीय (कुंडली-मानेसर-पलवल) एक्सप्रेसवे और राज्यीय राजमार्ग-18 के साथ लगती दिल्ली-हरियाणा सीमा पर स्थित है। आईएमटी को एनसीआर नहर और बिजली निगमों से प्रचुर मात्रा में पानी और बिजली की आपूर्ति हो रही है। दिल्ली से इसकी समीपता और केएमपी एक्सप्रेसवे के माध्यम से दिल्ली, बहादुरगढ़, गुरुग्राम और सोनीपत के साथ सीधे संपर्क के कारण, आईएमटी खरखौदा हरियाणा में औद्योगिक विकास के लिए अगले महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरेगा।

> खरखौदा नया विकसित होता हुआ क्षेत्र है। यह एयरपोर्ट से 65 किलोमीटर दूर, रेलवे स्टेशन और एनएच से 18 किमी दूर है तथा केएमपी से भी इसका लिंक है। यहां मारुति जैसी बड़ी कंपनियों के निवेश करने से औद्योगिक माहौल को सकारात्मक बल मिला है। आने वाले दिनों में यह क्षेत्र औद्योगिक हब बनकर उभरेगा और इससे क्षेत्र के विकास का पहिया तेजी से घूमेगा।
>
> **-मनोहर लाल, मुख्यमंत्री**

गुरुग्राम व मानेसर में रिकार्ड यूनिट्स निर्माण

1983 में गुरुग्राम में अपना पहला कार संयंत्र स्थापित करने के बाद, मारुति ने मानेसर में एक अन्य विनिर्माण सुविधा और रोहतक में एक अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करके हरियाणा में अपनी विनिर्माण सुविधाओं का लगातार विस्तार किया है।

-संवाद ब्यूरो

आइकॉनिक सिटी बनेगा गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गुरुग्राम में ऐसी ग्लोबल सिटी विकसित करने की योजना है, जोकि विश्व स्तरीय आइकॉनिक सिटी हो। उसमें सभी प्रकार की वर्ल्ड क्लास सुविधाएं उपलब्ध होंगी। शहरी विकास के पहले से बने नार्म्स की बजाय लोगों की मांग के अनुसार मिलने वाले सुझावों के आधार पर इस सिटी की प्लानिंग की जाएगी। इसमें विश्व स्तर के प्लानर और डिजाइनरों को शामिल किया जाएगा। इंटरनेशनल स्तर के प्लेयर्स को शामिल करते हुए इस ग्लोबल सिटी को विश्व स्तरीय स्वरूप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस ग्लोबल सिटी को वर्ल्ड क्लास शहर के रूप में विकसित करने के लिए विश्व स्तर के टॉप प्लेयर्स, चाहे देश के हैं या बाहर के, सभी को शामिल करेंगे। इंटरनेशनल डिजाईनर के लिए संपर्क किया जाएगा। चूंकि दुबई में इस प्रकार के फयूचरस्टिक शहर के लिए डिवलेपर्स मौजूद है इसलिए वहां पर भी ग्लोबल सिटी विकसित करने को लेकर इस प्रकार की बैठक आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि कॉन्फ्रेंस में काफी अच्छे सुझाव मिले हैं। सभी प्लेयर्स से सुझाव प्राप्त होने के बाद इंटरनल बैठक रखेंगे और उसमें इसकी प्लानिंग तैयार की जाएगी। प्लानिंग अच्छी होगी तो निवेशक भी आकर्षित होंगे। उन्होंने कहा कि ग्लोबल सिटी मिक्स लैंड यूज टाउनशिप, एक 'सिटी इन ए सिटी' होगी जिसमें प्रेरक कार्यक्षेत्र और बीस्पोक सिटी सैंट्रिक लिविंग की सुविधा होगी। सर्विस इंडस्ट्री के लिए एक हब के रूप में गुरूग्राम की क्षमता का दोहन करने के लिए इस ग्लोबल सिटी की कल्पना की गई है। यह परियोजना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सैंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) के रूप में होगी जहां पर काम करने, खेलने, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि के लिए आवश्यक हर चीज होगी।

हरियाणा में पर्याप्त बिजली आपूर्ति

हरियाणा प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में 1800 मेगावाट तक बिजली की कमी चल रही थी। यह कमी कई स्त्रोतों से बिजली न मिलने और समय से पहले अत्यधिक गर्मी पड़ने के कारण हुई। पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष बिजली की खपत अधिक हुई है। वर्तमान समय में बिजली की मांग पिछले साल की तुलना में 700 से 800 लाख यूनिट अधिक है। इस समय राज्य की अधिकतम मांग 9874 मेगावाट तक पहुंच गई है जबकि बिजली की आपूर्ति भी 9874 मेगावाट है।

बिजली की आपूर्ति एवं खपत पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बताया कि अडाणी की यूनिटों से भी 600 मैगावाट बिजली मिलनी शुरू हो गई है तथा वहां से और भी बिजली मिलने की संभावना है। आगामी 30 मई तक खेदड़ यूनिट-2 से अतिरिक्त 600 मेगावाट बिजली उपलब्ध हो जाने की सम्भावना है। इसी तरह 26 मेगावाट सौर व पवन ऊर्जा मिलने लगी है और 15 जून तक 127 मेगावाट सौर ऊर्जा और भी उपलब्ध हो जाएगी।

जम्मू-कश्मीर से 300 मैगावाट

उन्होंने कहा कि उपलब्धता बढ़ने से एपी उपभोक्ताओं के लिए सप्लाई शेड्यूल बढ़ाकर प्रतिदिन 8 घंटे निर्बाध कर दिया जाएगा। आगामी एक जून से यह मांग और भी बढ़ने की संभावना है क्योंकि कृषि क्षेत्र में धान के लिए जमीन तैयार करनी शुरू हो जाएगी और 15 जून से धान की रोपाई शुरू होगी। उन्होंने कहा कि धान की खेती के लिए प्रतिदिन राज्य में 6 लाख 61 हजार नलकूप चलाए जाते हैं। जिससे बिजली की मांग बढ़कर 24 करोड़ यूनिट हो जाएगी। इस बिजली की आपूर्ति के लिए जम्मू-कश्मीर से 300 मेगावाट बिजली का प्रबंध किया गया है।

एलईडी बल्ब से हुई बचत

मनोहर लाल ने बताया कि उजाला योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को अब तक कुल 1.56 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए गए हैं। इससे प्रति वर्ष 2027 मिलियन यूनिट की बचत हुई है और पीक डिमांड में 406 मेगावाट की कमी आई है। इस योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को अब तक कुल 2,13,302 एलईडी ट्यूबलाइट वितरित की जा चुकी हैं। इससे प्रति वर्ष 9.34 मिलियन यूनिट ऊर्जा की बचत हुई है और उजाला पोर्टल डैशबोर्ड के अनुसार पीक डिमांड में 4 मेगावाट की कमी आई है।

उचाना में करीब 40 करोड़ रुपए की लागत से चालक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किया जाएगा। संस्थान में यातायात संबंधी आधारभूत तकनीकी जानकारी के साथ युवाओं को वाहन चालक का प्रशिक्षण भी दिलवाया जाएगा।

टीबी रोगी को पोषण सहायता के लिए 500 रुपए प्रति माह का प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इलाज पूरा होने तक उपचार समर्थकों को 1,000 और डीओटी को 5,000 रुपए प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

किसान उत्पादक संगठन के जरिए आय के नए आयाम

भारत सरकार ने 10 हजार एफपीओ स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यदि एफपीओ के माध्यम से किसान जुड़ेंगें तो किसान की दशा व दिशा बदल जाएगी। सामूहिक खेती करने से छोटे किसानों को खेती के लिए खाद व बीज इत्यादि की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ता है और सामूहिक तौर पर लेने से लगभग 30 प्रतिशत तक बचत भी होती है। इसके अलावा, ऐसे किसानों को अपनी फसल के वैल्यू-एडीशन से भी लाभ मिलता है।

जे.पी. दलाल, कृषि एवं किसान मंत्री, हरियाणा

देश के किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार नित नए प्रयास कर रही है। किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से किसान को स्वयं अपनी फसल की मार्केटिंग, सोरटिंग, ग्रेडिंग इत्यादि कर अपनी यूनिट को खड़ा करने में वित्तीय मदद मिल रही है।

पंचकूला में भारत सरकार की 10 हजार एफपीओ के सृजन व प्रचार योजना के तहत कलस्टर आधारित व्यावसायिक संगठन (सीबीबीओ) और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए क्षेत्रीय सम्मेलन में आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि देश के किसानों की आय को बढ़ाना हैं इसलिए इस बैठक में सीबीबीओ व एफपीओ के प्रतिनिधियों को आपस में समस्याओं के समाधान के लिए एक मंच प्रदान किया हैं ताकि किसानों को नई तकनीकों व बाज़ार से जोड़कर उनकी आय को बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि बैठक में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल-प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर व लद्दाख से एफपीओ प्रतिनिधि व सीबीबीओ प्रतिनिधियों के अलावा कुछ वर्जुअल तरीके से भी किसान भाई व प्रतिनिधि जुड़े हैं।

कृषि अवसरंचना फंड का लाभ

कृषि अवसरंचना फंड का लाभ भी एफपीओ ले सकते हैं और किसानों को दिलवा सकते है। इसमें दो करोड़ रुपए का प्रावधान सोरिटंग, ग्रेडिंग, पोलीहाउस, ड्रोन व मशीनरी इत्यादि खरीदने के लिए किया गया है। इस फंड को सात साल के लिए व ब्याज में तीन प्रतिशत छूट के साथ लिया जा सकता है। भारत सरकार ने ड्रोन तकनीक में भी छूट दी हैं जिसमें 75 प्रतिशत तक की छूट दी जाती है। हरियाणा में 600 से 700 एफपीओ बनाए जा चुके हैं, जो कि किसानों को ज़ागरूक करके फसल की मार्केटिंग करके उचित दामों में बेच रहे हैं।

'चारा-बिजाई योजना'

हरियाणा सरकार द्वारा किसानों के लिए 'चारा-बिजाई योजना' को लागू करने की शुरुआत की जा रही है जिसके तहत यदि गौशालाओं के आस-पास कोई किसान दस एकड़ भूमि तक चारा उगाकर उसे गौशालाओं को आपसी सहमति के माध्यम से मुहैया करवाता हैं तो राज्य सरकार द्वारा ऐसे किसानों को 10 हजार रुपए प्रति एकड़ के अनुसार सहायता राशि उपलब्ध करवाएगी। यह राशि किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से पहुंचाई जाएगी। 'चारा-बिजाई योजना' के आने से किसानों को भी लाभ होगा और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ गौशालाओं को भी लाभ व सुविधा होगी। चारा अर्थात तूड़े के लिए राज्य की 569 गौशालाओं को अप्रैल माह में 13.44 करोड़ रुपए की राशि मुहैया करवा दी गई हैं।

'प्रोम' डीएपी खाद का हो सकता है विकल्प

डीएपी खाद के विकल्प के रूप में गाय के गोबर से तैयार की गई खाद 'प्रोम' तैयार की जा रही है। इसके लिए कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, गौ-सेवा आयोग, बागवानी विभाग, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय इत्यादि संस्थाओं के अधिकारियों ने सभी पक्षों से चर्चा व विचार-विमर्श किया है। प्रोम खाद का निर्माण पिंजौर, हिसार और भिवानी की गौशालाओं में किया जा रहा है और इस खाद की निगरानी व जांच आईआईटी, एचएयू की लैब में हो चुकी है।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, बागवानी विभाग व कृषि विभाग द्वारा इस खाद का ट्रायल व टेस्ट भी किया जाएगा क्योंकि यह देश के लिए एक क्रांतिकारी कदम होगा। यदि प्रोम खाद का सफल ट्रायल व टेस्ट हो जाता है तो यह देशहित में बहुत बड़ा कदम होगा।

धान की सीधी बिजाई

हरियाणा सरकार धान उत्पादक किसानों के लिए एक प्रभावी तकनीक शुरू करके राज्य में जल संरक्षण को बढ़ावा दे रही है। धान की सीधी बिजाई तकनीक (डीएसआर) अपनी तरह का एक और पहला प्रोत्साहन-प्रेरित अभियान है जिसे राज्य सरकार द्वारा हाल ही में जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट परियोजना के रूप में लागू किया गया है। योजना के तहत किसानों को 4,000 रुपए प्रति एकड़ का नकद प्रोत्साहन दिया जाता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के विशेषज्ञों की निगरानी में हरियाणा के 12 धान उत्पादक जिलों के किसान वर्तमान धान की खेती के मौसम में इस तकनीक के माध्यम से धान उगाएंगे। हरियाणा के कुछ धान उत्पादक इलाकों में बीज बोकर धान की पनीरी तैयार करके इसकी रोपाई करना पहले से ही प्रचलित है। सरकार धान की खेती के इस वैकल्पिक तरीके को बढ़ावा दे रही है ताकि राज्य में जल संरक्षण अभियान को बढ़ावा मिले और किसानों को भी इसका लाभ मिले।

12 जिलों में लागू होगी योजना

प्रोत्साहन-आधारित योजना अंबाला, यमुनानगर, करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल, पानीपत, जींद, सोनीपत, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक और हिसार सहित 12 जिलों में लागू की जाएगी। यमुनानगर, पानीपत और सोनीपत में 6,000; अंबाला में 7,000 एकड़; सिरसा, हिसार, रोहतक में 8,000; फतेहाबाद में 9,000; करनाल और कुरुक्षेत्र में 10,000 एकड़; और कैथल व जींद में 11,000 एकड़ में यह योजना लागू होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, बासमती धान को भी गैर-पोखर परिस्थितियों में डीएसआर के रूप में उगाया जा सकता है और इसे धान उगाने के लिए उपयुक्त लगभग सभी प्रकार की मिट्टी में किया जा सकता है।

योजना का लाभ कैसे उठाएं

इस योजना का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को 30 जून, 2022 तक 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' (एमएफएमबी) पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा। उसके बाद कृषि विकास अधिकारी/बागवानी विकास अधिकारी, पटवारी,नम्बरदार तथा सम्बन्धित किसान कमेटी द्वारा 25 जुलाई, 2022 तक भौतिक रूप से सत्यापित किया जाएगा और तुरंत 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर अपलोड कर दिया जाएगा। डीएसआर योजना का लाभ डीबीटी के माध्यम से डीएसआर सत्यापित किसानों को प्रदान किया जाएगा।

हरियाणा सरकार समावेशी विकास के अपने आदर्श वाक्य के तहत, यह सुनिश्चित कर रही है कि किसान फसल विविधिकरण और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों के माध्यम से समृद्ध बनें और उन्हें नई और असाधारण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन और वित्तीय सहायता प्रदान की जाए। इसके लिए राज्य सरकार ने 'मेरा पानी-मेरी विरासत' और 'खेती खाली- फिर भी खुशहाली' सहित योजनाएं शुरू की हैं। 'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना के तहत धान के स्थान पर अन्य वैकल्पिक फसल लगाने वाले किसानों को 7,000 प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। इसके अलावा, 'खेती खाली-फिर भी खुशहाली', योजना के तहत किसानों को प्रति एकड़ 7,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है यदि वे धान के मौसम के दौरान अपने खेतों में कोई भी फसल न बोएं।

मनोहर लाल, मुख्यमंत्री

मधुमक्खी पालन एवं परागीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन

मधुमक्खी पालन में अपार संभावना को देखते हुए हरियाणा सरकार इसे बढ़ाने का निरंतर प्रयत्न कर रही है। आई. बी. डी. सी, रामनगर, कुरुक्षेत्र की स्थापना भी उन्हीं प्रयासों में से एक है। सरकार बागवानी विभाग के द्वारा मधुमक्खी पालकों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान कर रही है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा लोग इस व्यवसाय से जुड़ सकें। बागवानी विभाग हरियाणा द्वारा आई. बी. डी. सी, रामनगर, कुरुक्षेत्र में विश्व मधुमक्खी दिवस के उपलक्ष्य में 20 व 21 मई, 2022 को इंडो-इजराईल परियोजना के तहत दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका विषय ''मधुमक्खी पालन एवं परागीकरण'' था।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि

हरियाणा सरकार मधुमक्खी बॉक्स व कालोनी पर 85 प्रतिशत अनुदान व मधुमक्खी उपकरणों पर 75 प्रतिशत अनुदान दे रही है। हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में बी-पॉलिसी भी बनाई गई है, जिसमें मधुमक्खी बॉक्स व शहद उत्पादन को 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। हमारा हर संभव प्रयत्न रहेगा कि हम आगामी वर्षों में मधुमक्खी पालन को नई ऊंचाईयों पर लेकर जा सके।

डॉ. अर्जुन सिंह सैनी महानिदेशक उद्यान,

हरियाणा द्वारा राज्य में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं व भविष्य की कार्य प्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस केंद्र के माध्यम से पिछले तीन वर्षों में हरियाणा के लगभग 400 किसानों को 25,000 कैल की लकड़ी से निर्मित सुपर बॉक्स दिए जा चुके हैं। इस केंद्र से पिछले चार वर्षों में लगभग 4,800 मधुमक्खी पालक/किसान भिन्न-भिन्न प्रकार की सुविधाओं का लाभ ले चुके हैं। इस केंद्र पर शहद की मंडी भी बनाई जा रही है ताकि मधुमक्खी पालकों को शहद की गुणवत्ता के आधार पर उचित दाम मिल सके तथा शहद के खरीददारों एवं निर्यातकों को उच्च गुणवत्ता का शहद एक ही स्थान से मिल सके।

मुफ्त चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत 28 लाख से अधिक व्यक्तियों के गोल्डन कार्ड बनाए जा चुके हैं। गरीब परिवार 631 सूचीबद्ध अस्पतालों में अपना इलाज करवा सकते हैं।

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत गरीबों को सितंबर, 2022 तक हर महीने मुफ़्त अनाज दिया जा रहा है। जिन बेघर लोगों की आय 1.80 लाख रुपए प्रतिवर्ष से कम है, उनका सर्वेक्षण शुरू किया जा रहा है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास

प्राकृतिक खेती वर्तमान समय की मांग और हरियाणा में इस खेती को बढ़ावा देने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। इस खेती से न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि देश व राज्य के लोगों के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा और साथ ही भूमि की उर्वरक शक्ति भी बढ़ेगी। हाल ही में मुख्यमंत्री मनोहर लाल और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में हरियाणा में प्राकृतिक खेती कार्यक्रम के कार्यान्वयन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री ने मृदा स्वास्थ्य जांच पर विशेष जोर देते हुए सत्यापित प्रयोगशालाओं के माध्यम से प्राकृतिक खेती के प्रमाणीकरण पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को ऐसी प्रयोगशालाओं को बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए, जो तर्कसंगत शुल्क पर इस तरह की मिट्टी की जांच करेंगी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती की प्रामाणिकता बरकरार रहनी चाहिए और राज्य के नागरिकों को वास्तविक प्राकृतिक उत्पाद मिलने चाहिए। गुजरात के राज्यपाल ने विभिन्न राज्यों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की पहल शुरू की है। इस पहल को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा में पेश किये गए बजट सत्र में भी इसके लिए बजट का विशेष प्रावधान किया है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अधिक नवीन तकनीकों का भी पता लगाया जाए, जिनका उपयोग उन किसानों द्वारा किया जा रहा है जिन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाया है ताकि इस क्षेत्र में विविधिकरण और नवाचार साथ-साथ चल सकें। उन्होंने प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के भी निर्देश दिए ताकि कार्यक्रम की प्रगति की मैपिंग की जा सके। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के बाद कार्यक्रम शुरू करने और उन्हें एचपी, गुजरात राज्य की प्राकृतिक खेती के मॉडल से परिचित कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती की समावेशी सफलता के लिए महिला किसानों की भागीदारी बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पहले चरण में केवल समर्पित कर्मचारियों और किसानों को प्रशिक्षित किया जाए।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास

- हरियाणा में एक समर्पित पोर्टल शुरू किया गया है, जिस पर केवल प्राकृतिक किसान पंजीकृत होंगे।
- 50 ब्लॉक के तहत जो किसान अपना उत्पाद खुद बनाएंगे, उन्हें 35,000 रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, बशर्ते पूर्व-आवश्यक शर्तों को पूरा करता हो।
- विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती की प्रामाणिकता की निगरानी की जाएगी ताकि वास्तविक उत्पाद बाज़ार में आ सकें।
- विभाग के अधिकारियों को प्रत्येक जिले में 25-25 युवा किसानों को तैनात किया जाएगा, जिन्हें प्राकृतिक खेती में प्रामाणिक प्रशिक्षण दिया गया है ताकि वे अन्य किसानों को संबंधित जिले में प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर सकें।
- गाय के गोबर से खेती होगी, इसमें किसी अन्य खाद का प्रयोग नहीं किया जाता है। गाय के गोबर से बैक्टीरिया पैदा होंगे और ये बैक्टीरिया प्राकृतिक खेती को शक्ति देंगे।
- इससे उत्पादन बढ़ेगा और किसानों की लागत भी कम होगी।
- अन्य लाभों के साथ-साथ ऐसी कृषि पद्धतियों से पानी की भी बचत होगी।

-संवाद ब्यूरो

गन्ने के उत्पादों का स्टार्ट-अप

लागत कम, चौगुना मुनाफ़ा

संगीता शर्मा

गली-मोहल्ले में गन्ने का जूस बेचते रेहड़ी वाले तो अक़्सर देखे होंगे, मगर यदि यह जूस डिब्बाबंद व साफ-सुथरा मिले तो हैरानी नहीं होगी। इतना ही नहीं, गन्ने की चुस्की, गन्ने का जैम, गुड़-इमली चटनी, गन्ना जलेबी आदि गन्ने के संबंधित ढेरों उत्पादों को हरियाणा के किसानों ने बनाना शुरू कर दिया है। यह स्टार्ट अप कम लागत से शुरू किया जा सकता है। हरियाणा के आठ किसानों के 'रसीला गन्ना ग्रुप यमुनानगर' ने एक लाख रुपए से गन्ने के उत्पादों का व्यवसाय शुरू कर दिया है। हालांकि इसके लिए वह प्रोडक्शन हाउस तैयार कर रहे हैं, इसके बावजूद किसान अपने खेत से ही गन्ने का ताज़ा जूस व अन्य उत्पाद बनाकर बेच रहे हैं। हरियाणा सरकार स्वयं किसानों को किसान उत्पादक संगठन बनाकर अपने उत्पाद बनाने, बेचने व मार्केटिंग के लिए प्रेरित करती रहती है। यह एक सार्थक प्रमाण है जब किसानों ने स्वयं समूह बनाकर गन्ने के क्षेत्र कुछ नया करने की पहल शुरू कर दी है।

किसान उत्पाद का ब्रांड बनाएं

इसके लिए उन्हें अंबाला के गन्ने के 'पुजारी' कहे जाने वाले विपिन सरीन ने प्रेरित किया है। उनका मकसद है कि उत्तर भारत के अधिक से अधिक किसान गन्ने के उत्पाद स्वयं तैयार करके अपना ब्रांड बनाएं और बाज़ार में बेचें। किसान अधिक मुनाफ़ा कमाने के लिए अपने खेत में फामर्स आउटलेट खोलें। किसान गन्ने के रस के बने उत्पाद गन्ना चुस्की, गन्ना जूस, गन्ना सिरका, गन्ना चटनी समेत कई अन्य उत्पाद तैयार कर रहे हैं। रोहतक के फूल कुमार, यमुनानगर के प्रवीन शर्मा, मनमोहन, शाहबाद के हरभजन व अन्य जिलों से सर्वजीत सिंह, सराज सिंह, राम कुमार, गुरमीत सिंह, बलजीत सिंह शामिल हैं। किसानों ने डीप फ्रीजर, जूस मशीन, गन्ना कटर और टी 90 बैग खरीदें हैं।

गन्ने उत्पाद से चौगुना मुनाफ़ा

यमुनानगर के फरीदपुर गांव के किसान मनमोहन दो साल से गन्ने के उत्पाद बनाने का कार्य कर रहे हैं। उनका कहना है कि गन्ने के शुगर मिल में उचित दाम नहीं मिल पाते और अब हम जैविक गन्ने से उत्पाद बेचकर चौगुना मुनाफ़ा कमा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ की सुखना लेक के किनारे 'इट राइट' कार्यक्रम के दौरान गन्ना चटनी व गन्ना चुस्की लेकर गए और वहां बहुत अच्छा रिस्पॉन्स आया है। गन्ने के सिरका बनाने के लिए लुधियाना कृषि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर द्वारा प्रशिक्षण भी लिया है। मनमोहन ने बताया कि अभी वह शुरुआती स्तर पर काम कर रहे हैं, जल्द ही इस काम को आगे बढ़ाएंगे। उनके खेत में किसानों ने प्रोडक्शन हाउस तैयार किया है और गन्ने से संबंधित उत्पाद तैयार किए जाएंगे।

गूगल मीट से प्रशिक्षण

शाहबाद के दऊमाजरा गांव के किसान हरभजन गन्ने की चटनी व सिरका बनाने में माहिर हैं। सुखना लेक के किनारे एक कार्यक्रम के दौरान लेकर आए थे। अब वह दिल्ली में आयोजित ग्लोबल आर्गेनिक एक्सपो में भी अपने उत्पाद लेकर जाएंगे। उनका मानना है कि यदि किसान स्वयं प्रोसेसिंग यूनिट लगा ले तो वह अपनी आमदनी दोगुनी नहीं, बल्कि चौगुनी कर सकता है। उन्होंने बताया कि तीन एकड़ में गन्ना उगाया है और जुलाई-अगस्त में आधे एकड़ ज़मीन में ओर गन्ना उगाएंगे। उन्होंने बताया कि विपिन सरीन सर के संपर्क में आने के बाद गन्ने उत्पाद बनाने का कार्य सीखा। गूगल मीट से हम दूसरे राज्यों के निपुण व्यक्तियों से गन्ने के उत्पाद बनाना सीखते हैं। गन्ने के कार्य में प्रयोग होने वाली मशीनों व मार्केटिंग के गुर भी सिखाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि हम आठ किसानों ने 'रसीला गन्ना ग्रुप यमुनानगर' बनाकर स्टार्ट अप शुरू किया है, इसमें एक किसान ने दस-दस हजार रुपए लगाकर नया काम शुरू किया है।

स्वादिष्ट व गुणकारी जूस

रोहतक के भैणी मातो गांव के किसान फूल कुमार अपने खेत से लोगों को जैविक गन्ने का जूस पिलाते हैं, जो लोगों को गर्मी से राहत दिलाता है। उन्होंने डीप फ्रीजर भी रखा है जिसमें गन्ना चुस्की, गन्ना मसाला चटनी व गन्ना जूस बेचते हैं। वह कहते है कि ये उत्पाद बेचकर गन्ने की बिक्री के ज़्यादा मुनाफ़ा हो रहा है और यह लीवर से संबंधित बिमारियों के लिए रामबाण हैं। इसमें मशीन में गन्ने को एक बार ही प्रेस किया जाता है जिससे जूस अधिक रसीला होता है और बर्फ़ का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। मशीन से जूस निकलने के कारण गंदगी की संभावना नहीं होती। उन्होंने बताया कि वह जैविक खेती करते हैं और लोग उनसे जैविक खेती के गुर सीखने आते हैं और गन्ने के उत्पाद खरीदकर ले जाते हैं।

खुद पर रखें भरोसा

अंबाला के गन्ना विशेषज्ञ विपिन सरीन इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर विषय से बी-टेक पासआउट है और कोरोना काल में उनके मन में गन्ने के क्षेत्र में नया करने की ठानी। इसमें नासिक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आसाम, हरियाणा, पंजाब व हिमाचल के जाने-माने लोग व किसान शामिल हैं। वह गन्ने का जूस, चटनी, जैम, चुस्की, फ्रोजन जूस, गन्ना जलेबी, गन्ना कॉफी आदि अन्य उत्पाद बेच रहे हैं। वह कहते हैं कि यदि किसान गन्ने की खेती से उत्पाद तैयार करके बेचेंगे तो अन्य खाद्य सामग्री सब्जी व अनाज सस्ते हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि गन्ने के जूस में उबटन शामिल करके फेशियल के रूप में ब्यूटीशियन इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम गन्ने के हर भाग का इस्तेमाल करते हैं, पत्ते खेत में मल्चिंग, गन्ना का वेस्ट मशरूम उत्पादन, गांठ से सिरका, गन्ना का ऊपरी हिस्सा बीज के रूप में इस्तेमाल होता है।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के बीच अरावली सफारी परियोजना को विश्वस्तरीय बनाने के संदर्भ में चर्चा हुई है। परियोजना की स्थापना के लिए स्थान व भूमि को चिन्हित किया जा चुका है।

राज्य सरकार की ओर से किसानों का गेंहू एमएसपी पर खरीद उसका भुगतान सीधा उनके बैंक खातों में भेजा रहा है। 15 मई तक 7513.62 करोड़ रुपए खातों में स्थानांतरित किए जा चुके हैं।

जल संरक्षण योजना

व्यर्थ न बह जाए बरसात का पानी

मनोज प्रभाकर

भूमिगत जल स्तर सुधारने के लिए जल संरक्षण के सभी उपाय करने होंगे। उपलब्ध जल का संरक्षण करना होगा तथा बरसात के पानी को बचाना होगा। खासकर मानसून के दौरान बरसात का बहुत सारा पानी नदी नालों में व्यर्थ बह जाता है। अगर बरसात का पानी ज्यादा से ज्यादा मात्रा में जमीन में चला जाए तो भूमिगत जलस्तर में तेजी से सुधार हो सकता है। इससे न केवल पेयजल की आपूर्ति बढ़ेगी, सिंचाई जल की उपलब्धता में भी गुणात्मक सुधार होगा।

बारिश का पानी बचाने और संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई संस्थागत व नीतिगत पहल की गई हैं। जल शक्ति अभियान 'कैच द रेन' के तहत हरियाणा में बारिश के पानी को बचाने और संरक्षित करने पर अधिक बल दिया गया है। राज्यभर में 49,136 वर्षा जल संचयन संरचनाओं, लगभग 8623 पारंपरिक जल निकायों का नवीनीकरण, पुनः उपयोग और पुनर्भरण हेतु 25,921 संरचनाओं और 6238 वॉटरशेड विकास संरचनाओं का निर्माण एवं नवीनीकरण किया गया है।

सभी 22 जिलों के लिए जिला जल संरक्षण योजनाएं तैयार की गई हैं। ये योजनाएं सूक्ष्म-स्तरीय ग्राम योजनाओं से बनाई गई हैं। इसमें आपूर्ति और मांग हस्तक्षेप और जल संरक्षण के लिए रणनीतिक कार्य योजना दोनों शामिल हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए इस वर्ष 'जल शक्ति अभियानः कैच द रेन' अभियान 30 नवंबर तक चलाया जाएगा।

भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए 'जल शक्ति अभियानः कैच द रेन- 2021' का थीम 'बारिश के पानी का संरक्षण करो, जब बारिश होती है, जब भी होती है'। इस अभियान के तहत देश के सभी जिलों व खंडों के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों को कवर किया जा रहा है। राष्ट्रीय जल मिशन (एनडब्ल्यूएम) को इस अभियान के लिए पूर्व-मानसून और सक्रिय मानसून अवधि के दौरान बारिश के पानी के संरक्षण के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है।

जल शक्ति अभियान के तहत हरियाणा तालाब प्राधिकरण ने हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के साथ मिलकर राज्य के 18,104 तालाबों को जियो टैग किया है, जिससे हरियाणा अपने सभी जल निकायों को जियोटैग करने वाला एकमात्र राज्य बन गया है।

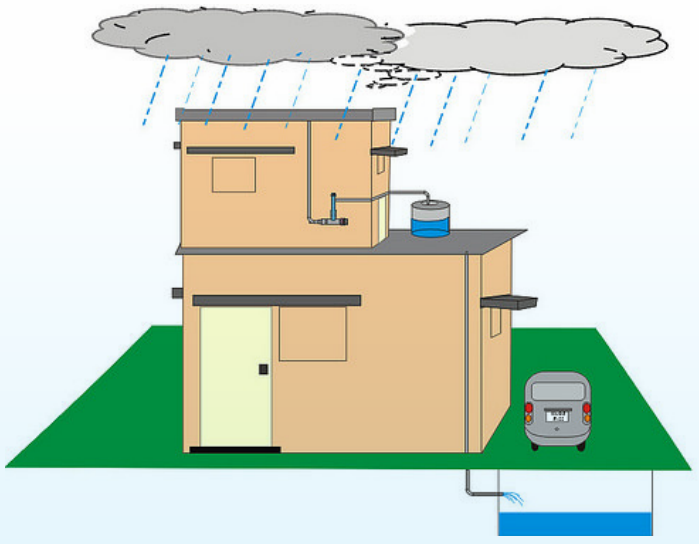

पानी की बचत को बढ़ावा देने के लिए मिकाडा द्वारा बाढ़ सिंचाई से सूक्ष्म सिंचाई में स्थानांतरित करने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मिकाडा कृषि के लिए उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग करने का लक्ष्य बना रहा है और 330 एमएलडी की 31 परियोजनाओं के लिए 256 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाएं

नाबार्ड की 206 करोड़ रुपए की 35 सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाएं आवंटित की गई हैं, जिससे 3127.27 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया जाएगा। इसके अलावा 22941 क्षेत्र को कवर करते हुए 300 करोड़ रुपए के 56 सूक्ष्म सिंचाई कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

वर्तमान मानसून के मौसम के दौरान, पहली बार रिचार्जिंग हेतु जेएलएन फीडर से अतिरिक्त पानी निकालकर रिचार्ज चैनल में निरंतर पर्याप्त पानी छोड़ा गया, ताकि मानसून के मौसम में उपलब्ध अतिरिक्त पानी का उपयोग किया जा सके। इसके अलावा, इस वर्ष लाल बहादुर शास्त्री रिचार्ज चैनल के माध्यम से लगातार 67 दिनों तक कुल 20274 एकड़ फुट पानी छोड़ा गया था, जिसके परिणाम स्वरूप 242.20 मीटर तक डिजाइन किए गए स्तर के मुकाबले वियर गेज 241.0 मीटर के स्तर तक जलाशय भर गया था। इससे लगभग 22 गांवों को भूमिगत जल स्तर में सुधार करने में मदद मिली है।

परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए हरियाणा सरकार द्वारा कई नीतिगत सुधार किए गए हैं। सिंचाई उद्देश्यों के लिए वाटर कोर्स के नवीनीकरण, पुनर्वास, पुनर्निर्माण और विस्तार के लिए 'नई वॉटरकोर्स नीति-2021' लागू की गई है। इस नीति के तहत, जिस क्षेत्र में भू-जल स्तर 100 फीट या 30 मीटर से कम है, उस क्षेत्र में नलकूपों के लिए नए बिजली कनेक्शन

प्राप्त करने के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना अनिवार्य कर दी गई है।

राज्य सरकार द्वारा ट्रीटेड वेस्ट वाटर पॉलिसी-2019 को भी लागू किया गया है, जिससे सीवेज के संग्रह और उपचार को अधिकतम करने तथा उपचारित अपशिष्ट जल का स्थायी आधार पर पुनः उपयोग करने की परिकल्पना की गई है, ताकि ताजे पानी के संसाधनों पर निर्भरता कम हो सके। जल संरक्षण के बेहतर परिणामों के लिए राज्य सरकार द्वारा 'मेरा पानी-मेरी विरासत' और 'अटल भू-जल योजना' भी लागू की गई है।

इन कार्यों पर रहेगा फोकस

गहन वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण जिसमें भवनों पर रूफ-टॉप वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनाना और परिसरों में जल संचयन गड्ढे खोदना, मौजूदा आरडब्ल्यूएचएस का रखरखाव और नए चेक डैम/तालाबों का निर्माण, पारंपरिक जल संचयन संरचनाएं का नवीनीकरण, तालाबों / झीलों और उनके कैचमेंट चैनलों से अतिक्रमण हटाना, टैंकों की गाद निकालना, बोरवेल का पुनः उपयोग और पुनर्भरण, वाटरशेड विकास, छोटी नदियों और नालों का संरक्षण, आर्द्रभूमियों का पुनरुद्धार और बाढ़- बैंकों का संरक्षण, झरनों का विकास, वाटर कैचमेंट क्षेत्रों की सुरक्षा के अलावा, सभी जल निकायों की गणना, भू-टैगिंग और उनकी सूची बनाना, इसके आधार पर जल संरक्षण के लिए वैज्ञानिक योजना तैयार करना, सभी जिलों में जल शक्ति केंद्रों की स्थापना, गहन वनरोपण और जन जागरूकता लाना भी शामिल है।

सराहनीय कार्य

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि जल शक्ति अभियान में सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए भिवानी, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, अंबाला और कुरुक्षेत्र जिला विशेष सराहना के पात्र हैं। एक मार्च 2022 तक हरियाणा राज्य ने 89,918 जल संबंधी कार्य पूरे किए, जिनमें 49,136 जल संरक्षण और आरडब्ल्यूएच संरचनाओं का निर्माण/रखरखाव, 8623 पारंपरिक जल निकायों का नवीनीकरण, 25,921 पुनः उपयोग और पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण/रखरखाव, और 6238 वाटरशेड विकास संबंधी कार्यों के साथ- साथ लगभग 1.42 करोड़ पौधे लगाने के कार्य शामिल हैं।

हरियाणा से 246 किलोमीटर की लंबाई के ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटिड फ्रेट कॉरिडोर गुजरेंगे। 1506 किलोमीटर लंबे वेस्टर्न कॉरिडोर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों से होकर गुजरेगा।

गुरुग्राम में 500 बैड क्षमता का ईएसआई अस्पताल तथा प्रदेश में अन्य 5 ईएसआई अस्पताल, नर्सिंग महाविद्यालय व ईएसआई डिस्पेंसरियों की स्थापना की योजना है। स्वास्थ्य विभाग व कर्मचारी राज्य बीमा निगम के मध्य एमओयू होगा।

हर गांव को हरा भरा बनाने का संकल्प

प्रदेश के हर गांव को ग्रीन बनाने का प्रयास है। वन विभाग की तरफ़ से पंचायत की खाली पड़ी जमीन पर पौधे लगाए जाएंगे। कुरुक्षेत्र में हरियाणा पर्यावरण सोसायटी (एचईएस) द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर ब्रह्मसरोवर के वीआईपी घाट पर पौधारोपण अभियान का शुभारंभ हुआ।

इस वर्ष प्रदेश में वन विभाग की तरफ से 1.20 करोड़ से ज़्यादा पौधे लगाने के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। एचईएस संस्था ने कुरुक्षेत्र को ग्रीन बनाने के अभियान को आगे बढ़ाने का काम किया है, जो बहुत ही सराहनीय कार्य है। इस संस्था ने यमुनानगर में भी पौधारोपण करने का कार्य किया है। प्रदेश के हर गांव के शिव धाम में 10 से 100 पौधे लगाए जाने की योजना है। पौधे लगाने के साथ साथ पौधों की रक्षा करने का संकल्प भी लेना होगा।

वन मंत्री कंवरपाल ने कहा कि पौधे लगाने से ज़्यादा कोई धार्मिक कार्य नहीं है। सभी नागरिकों को प्रण लेकर फलदार, छायादार पौधे लगाने चाहिए। इन पौधों के कारण ही ऑक्सीजन, खाना व अन्य वस्तुएं मिल रही है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए आम नागरिकों के सहयोग की ज़रूरत होगी, क्योंकि अकेली सरकार व प्रशासन इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता है। सभी को आपसी तालमेल के साथ काम करना चाहिए। सभी जगह हरियाली नजर आएगी तो हमारा पर्यावरण भी शुद्ध रहेगा।

पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार

पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों हेतु पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, हरियाणा ने 'दर्शन लाल जैन राज्य पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार' के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। उक्त पुरस्कार चयनित उम्मीदवारों को 5 जून, 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में वितरित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मार्च 2022 में हुए हरियाणा विधानसभा सत्र के दौरान पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के विभिन्न क्षेत्रों जैसे प्रदूषण नियंत्रण (जल और वायु), प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, विभिन्न प्रकार के कचरे के प्रबंधन और पर्यावरण मुद्दों पर आम जनता के बीच ज़ागरूकता पैदा करने हेतु किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए हरियाणा के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता दर्शन लाल जैन के नाम पर एक नया पुरस्कार शुरू करने की घोषणा की थी।

लोगों में जैव-विविधता के प्रति ज़ागरूकता

जीवन में जैव-विविधता का काफ़ी महत्व है। हमें एक ऐसे पर्यावरण का निर्माण करना है, जो जैव-विविधता में समृद्ध, टिकाऊ और आर्थिक गतिविधियों के लिए हमें अवसर प्रदान कर सकें। जैव-विविधता के कमी होने से प्राकृतिक आपदाओं का खतरा और अधिक बढ़ जाता है इसलिए हम सबके लिए जैव-विविधता का संरक्षण बहुत ज़रूरी है। मानवीय गतिविधियों के कारण जैविक विविधता में आने वाली महत्वपूर्ण कमी के विषय के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर वर्ष 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, पंचकूला द्वारा अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया गया, जिसका उद्देश्य लोगों में जैव-विविधता के महत्त्व के बारे में ज़ागरूकता उत्पन्न करना है।

इस दिवस के लिए 13 मई 2022 को निबंध लेखन, प्रश्नोतरी, पेंटिंग और फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं आनलाइन आयोजित की गई थी। जिसमें स्कूल के छात्रों और आम जनता ने सभी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ हिस्सा लिया। विजेताओं को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अधिक पेड़ लगाने पर बल

विभिन्न प्रतियोगिताओं के सभी पुरस्कार विजेताओं ने वन परिसर, पिंजौर में जैव विविधता संरक्षण ज़ागरूकता शिविर में भाग लिया और मल्लाह पार्क का दौरा कर उन्हें विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों से परिचित करवाया गया। इसके साथ ही उन्हें गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केंद्र, जोधपुर, पिंजौर का भी दौरा किया है। इस दौरान जैव विविधता के संरक्षण, अधिक से अधिक पेड़ लगाने और विलुप्त संकट ग्रस्त प्रजातियों को बचाने की आवश्यकता पर बल दिया।

ब्लॉक प्रिंटिंग के साथ-साथ स्क्रीन प्रिंटिंग में जुटी समूह की महिलाएं

संगीता शर्मा

वर्तमान समय स्क्रीन प्रिंटिंग का है। स्क्रीन प्रिंटिंग के कप, मग, टी-शर्ट, सूट, साड़ी व अन्य आइटम्स लोगों को ख़ासा पसंद आ रहे हैं। इसकी लागत भी ब्लॉक प्रिंटिंग के मुकाबले काफ़ी कम है। यही कारण है कि रोहतक के लाखन माजरा के स्वयं सहायता समूह 'प्रगति' की महिलाओं ने हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग के साथ-साथ स्क्रीन प्रिंटिंग के काम में कदम रखने का मन बना लिया है। इसके लिए समूह की 35 महिलाओं को स्क्रीन प्रिंटिंग का प्रशिक्षण दिलाया है। महिलाओं ने स्क्रीन प्रिंटिंग से विद्यार्थियों की टी-शर्ट्स पर 'लोगो' बनाना शुरू कर दिया है। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से हैंडमेड ब्लॉक प्रिंटिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जबकि पंजाब नेशनल बैंक की ओर से समूह को महिलाओं को दस दिवसीय स्क्रीन पेंटिंग का प्रशिक्षण दिलाया गया।

हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से सहयोग

समूह की सदस्या मानता शर्मा किसी भी काम को बड़ा या छोटा नहीं समझती, बल्कि मेहनत व लगन से करती है। समूह की बदौलत उनका बड़ा बेटा सुश्रुत श्री श्री रविशंकर आयुर्वेदिक कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर बैंगलुरू में बीएएमएस की अंतिम वर्ष की परीक्षा जून में देगा। छोटा बेटा एस.चरक बीएएमएस के प्रथम वर्ष में उपरोक्त संस्थान में है। उन्होंने बताया कि हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग के सूट, साड़ी, बैडशीट, कुशन कवर व अन्य उत्पादों के साथ जिस भी आयोजन या मेले में शामिल होती है वहां उनके उत्पाद वैरायटी व गुणवत्ता के कारण हाथों हाथ बिक जाते है। उन्होंने बताया कि 1996 में जब शादी हुई तो स्कूल में 600 रुपए मासिक में हिंदी व संस्कृत की शिक्षिका के रूप में दस साल तक काम किया। उसके बाद सिलाई-कढ़ाई व ब्यूटीशियन का काम सीखा। एक दुकान में महिलाओं का सामान रखकर बेचना शुरू किया। उन्होंने बताया कि करीब चार साल पहले उन्होंने अपने गांव लाखन माजरा में ही अपने घरों में सिलाई करने वाली महिलाओं को इकठ्ठा कर, 'प्रगति' स्वयं सहायता समूह का गठन किया। इसके उपरांत उन्होंने हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से हैंडमेड ब्लॉक प्रिंटिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया। मिशन की ओर से मानता शर्मा को सम्मानित भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि काम शुरू करने के लिए उनके समूह की दस सदस्यों ने अपने-अपने स्तर पर करीब 60 हजार की राशि का इकट्ठी कर हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग के लिए कच्चा माल खरीदकर कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि उनके समूह में 12 महिलाएं हैं और वह 35 स्वयं सहायता समूह का गठन कर चुकी है। उन्होंने बताया कि मिशन के सहयोग से एक्सप्रेस योजना के तहत वाहन खरीदने पर मिलने वाली वित्तीय सहायता व रियायत का भी लाभ उठाएंगी। इससे उन्हें अपने उत्पाद से संबंधित सामान लाने व बेचने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान में जाने के लिए आने वाली दिक्कतों को सामना न करना पड़े। हाल ही में नाबार्ड चंडीगढ़ की ओर से भी उनकी टीम उनके हैंडब्लॉक व स्क्रीन प्रिंटिंग का काम देखने आई और उनके उत्पादों को मार्केटिंग की सुविधा देने के लिए सहमति जताई है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत

उन्होंने बताया कि हरियाणा में ब्लॉक प्रिंटिंग का काम कम होता है और इसलिए उन्होंने कुछ नया करने के लिए ब्लॉक प्रिंटिंग का काम शुरू किया था। अपने घर में ही ब्लॉक प्रिंटिंग का सैट अप तैयार किया है और 55 महिलाएं इस काम से जुटी हुई हैं, जोकि मासिक 6,000 से 10,000 रुपए मासिक कमा लेती है। मानता ने बताया कि ब्लॉक प्रिंटिंग से संबंधित सामान लेने के लिए वह स्वयं राजस्थान व जयपुर जाती है और वहां से कपड़ा, ब्लॉक व रंग खरीदकर लाती है। वह कहती है कि मेरा ध्यान इस ओर केंद्रित रहता है कि किस तरह मैं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाऊं व अपने बिजनेस को आगे बढ़ा सकूं। थरेटी गांव में भी अब वह ब्लॉक व स्क्रीन प्रिंटिंग का सेटअप तैयार कर रहे हैं। मानता ने बताया कि महिलाओं को स्क्रीन प्रिंटिंग का प्रशिक्षण दिलाया है और यह काम हैड ब्लॉक प्रिंटिंग के मुकाबले सस्ता व कम समय में तैयार हो जाता है। जल्द ही उनके उत्पाद ऑनलाइन बिक्री होने शुरू हो जाएंगे। कई स्कूल से भी संपर्क हुआ है, जिसके वह 'लोगो' तैयार करेंगे। ख़ास दिनों के लिए टी-शर्ट तैयार करने के भी ऑर्डर लेंगे।

ऋण लेकर स्वयं रोज़गार

उन्होंने बताया कि वह उत्पादों में नेचुरल डाई व नमकीन डाई का प्रयोग करते हैं और गेंदे के फूल, मौसमी के छिलके, अनार के छिलके, हल्दी, ख़राब जामुन व प्याज के छिलकों से नेचुरल डाई तैयार करती हैं। मानता शर्मा का कहना है कि समूह की शुरुआत में तो कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा लेकिन हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के निरंतर मार्गदर्शन व सरस मेले व गीता जयंती जैसे आयोजनों ने उनके कार्य को एक नई पहचान दिलाई है।

समूह की सदस्या नीलम, सुंदर, संगीता, नीतू, अनु, ललिता और सिलाई का काम करने वाली सदस्या कविता, सुनीता, पूनम, आशा, बिट्टू, अनु, शालू आदि खुश हैं कि समूह से जुड़कर उनकी ज़िंदगी में काफ़ी बदलाव आया है और वह आत्मनिर्भर बन गई। परिवार को आर्थिकतौर से मज़बूत करने में सहयोग दे रही हैं।

'आयुष्मान भारत योजना' के तहत 28 लाख से अधिक व्यक्तियों के गोल्डन कार्ड बनाए जा चुके हैं। गरीब परिवार 631 सूचीबद्ध अस्पतालों में अपना इलाज करवा सकते हैं। इसके लिए 434 करोड़ रुपए की प्रतिपूर्ति की जा चुकी है।

'डॉ. अम्बेडकर मेधावी छात्रवृत्ति योजना' के तहत उच्च शिक्षा के लिए 8 हजार से 12 हजार रुपए की वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाती है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के अन्तर्गत प्रतिमास 230 से 1200 रुपए तक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

हरियाणवी उद्योग को उत्साह दे गया फिल्म समारोह

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हरियाणा कला परिषद और सोसायटी फॉर आर्ट एंड कल्चर डेवलपमेंट के संयुक्त तत्वावधान में कुरुक्षेत्र में हरियाणा अंतराष्ट्रीय फिल्म समारोह आयोजित किया गया। छह दिन तक चले इस समारोह में रंगमंच व फिल्म जगत की अनेक जानी मानी हस्तियां उपस्थित हुईं। समारोह में 28 देशों की 24 भाषाओं में 75 फिल्मों का फिल्मांकन किया गया जिससे दर्शकों की तरफ से खूब सराहना मिली।

सांसद नायाब सिंह सैनी ने कहा यह बड़ी खुशी के बात है कि हरियाणा में अपनी संस्कृति, संस्कारों और रंगमंच के कलाकारों के लिए यह मंच रखा गया है। इससे न केवल समाज में जागरूकता आएगी, हरियाणवी फिल्मों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपनी विरासत को बचाने तथा बनाये रखने के लिए तालाबों के संरक्षण का अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत पानी की एक एक बूंद बचाने पर जोर दिया है।

प्रख्यात रंममंच कर्मी डॉ.सतीश वर्मा ने कहा कि सिनेमा और रंममंच चुप रहकर अपनी बात बोलने में माहिर है क्योंकि जो बात चुप रहकर असर करती है वह कभी-कभार बोलने से कहीं ज्यादा होती है। उन्होंने कहा कि रंचमंच सिनेमा की नीवं है और इस नीवं के बिना सिनेमा संभव नहीं है।

डॉ हरीश कुमार ने कहा कि सिनेमा एक सफर है जो एक कहानी की तरह है, हमें इस सफर की कहानी को समझना होगा। हर फिचर फिल्म में एक कहानी होती है और कहानी एक स्क्रिप्ट आधारित है अगर आपकी स्क्रिप्ट एक कहानी की तरह आगे अच्छे से बढ़ती है तो आपके कार्य की तारीफ होती है। अशोक कुमार ने कहा कि अगर हरियाणवी सिनेमा को दूसरे प्रदेशों की तरह उंचाईयों पर लेकर जाना है तो पाठ्यक्रमों और थियेटरों की नीवं पर

ध्यान देना होगा।

साउंड डायेक्टर विनोद जांगड़ा ने कहा कि सिनेमा में सांउड का विशेष महत्व है साउंड की वजह से छोटे बजट की फिल्में एक बड़ा बजट कमा जाती है। हमें हरियाणा सिनेमा के लिए सांउड पर कार्य करते हुए इसे हरियाणवी में ही समझना होगा, अपनी बोली एवं भाषा हमें सशक्त बना सकती है।

हरियाणवी फिल्म और वेब सीरिज अवार्ड

बेस्ट हरियाणवी वेबसीरिज़ 'मेरे यार की शादी है', बेस्ट डायरेक्टर हरियाणवी फिल्म निर्माता राजेश चौहान की 'मलाल', बेस्ट एक्टर का अवार्ड योगेश भारद्वाज को फिल्म 'मलाल' के लिए मिला, बेस्ट अभिनेत्री का अवार्ड ग्रुप डी में नेहा शर्मा को मिला। वही बेस्ट सहायक अभिनेता के लिए कृष्ण नाटक को 'मेरे यार की शादी' के लिए मिला। बेस्ट स्क्रीनप्ले के लिए जगबीर राठी की फीचर फिल्म 'दिल हो गया लापता' को मिला। बेस्ट कोरियोग्राफी के लिए 'दिल हो गया लापता' के कुलदीप को मिला।

बेस्ट संगीत अवार्ड

बेस्ट डायरेक्टर व संगीत अवार्ड 'सुभारंभ' के लिए विशाल पंडित को मिला। बेस्ट संगीत के लिए बलिया, जेआरबी को मिला। बेस्ट सिंगर मेल के लिए गांम की माटी के लिए सोमवीर कथूरिया को मिला। बेस्ट सिंगर फीमेल के लिए 'जय जय गंगें' के लिए आकृत्ति को मिला। बेस्ट एक्टर मेल के लिए 'मां री' के लिए हरीश छिक्कारा को मिला वही बेस्ट एक्ट्रेस के लिए गजबन पानी ने च्याली के लिए सपना चौधरी को मिला। बेस्ट सहायक अभिनेता के लिए गाम की माटी के लिए जेडी बालू को मिला वही बेस्ट सहायक अभिनेत्री मां री के लिए सरोज जांगड़ा को मिला। बेस्ट लिक्सि के लिए गांम की माटी के लिए ऋषि राज मस्ताना को मिला। बेस्ट एडिटिंग के लिए गाम की माटी के लिए राज गुज्जर को मिला ओर बेस्ट सिंगर ए.आर.आई के लिए 'ख्वाब सुनहरे' के लिए अलका भटनागर को मिला।

सामाजिक उत्थान के लिए खुद से करें शुरुआत

शार्ट फिल्मों, फ़ीचर फिल्मों के माध्यम से समाज को जागरूकता के लिए विभिन्न परिचर्चा आयोजित की गई। पानीपत की मेयर अवनीत कौर ने कहा कि समाज में तब तक बदलाव नहीं आ सकता जब तक व्यक्ति अपने अंदर बदलाव नहीं लाता है क्योंकि बदलाव स्वयं से ही शुरू होता है। उन्होंने कहा कि सरकारों की योजनाओं की सफलता लोगों की जागरूकता पर ही निर्भर करती हैं।

पानीपत के किन्नर समाज की प्रधान गुरु हाजी शबरी साधना ने कहा कि भारत सरकार ने 'बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ' का जो नारा दिया है वह नारी उत्थान के लिए ही दिया है लेकिन जब तक समाज के हर घर में बेटी की सुरक्षा और शिक्षा की बात नहीं होगी तब तक यह नारा सफल नहीं होगा और नारी का सच्चे अर्थों में उत्थान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि किन्नर समाज नारी उत्थान के लिए बढ़ चढ़कर कार्य कर रहा है और हम सब की एकजुटता के साथ कार्य करे तो जल्द ही समाज से बुराइयों को समाप्त किया जा सकता है।

सामाजिक कार्यकर्ता सविता आर्य ने कहा कि नारी उत्थान के लिए समाज शिक्षित होना अनिवार्य है और समाज वर्तमान में पहले से शिक्षित है लेकिन समाज को जितना नारी उत्थान दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है वह नहीं कर पा रहा है उसमें अधिक तेजी लानी होगी।

फिल्म समारोह में दस शार्ट फिल्मों और दो फीचर फिल्मों का फिल्मांकन किया गया जिनमें सुनित मिश्रा की 'खिड़की', विनित कटारिया की 'वाशिंग मशीन' विनीत शर्मा की गजरा' संजीत सरोहा की 'मां कोनी मानती', जगबीर राठी की फिचर फिल्म 'दिल हो गया लापता' आस्था वर्मा की 'द लास्ट राईटस, विक्रम सिंह की 'पसंद नापंसद' अमूढ़ावन पी की 'तमिल फिचर फिल्म 'कोटा' और प्रसिद्ध फिल्म निर्माता रमेश सिप्पी की फिचर फिल्म 'शोले का फिल्माकंन किया गया।

-संवाद ब्यूरो

सुण छबीले बोल रसीले

विकास की बात

- छबीले यू विकास कितोड़ जाकै थमैगा?

- रसीले भाई, जिब ताहीं यो सृष्टि रहैगी, विकास जिब ताहीं चालता रहैगा।

-मतलब, विकास के नाम पै लोगां की रेलमपेल न्यूए लागी रहैगी?

-हां, यो कोन्या थमण की।

-भाई बचपन तैं विकास की बात सुणते आरे सैं। पार्टियां आळे भी एक दूसरे तैं बढ़कै विकास कराण की बात करैं सैं। अपणे अपणे ढंग तैं सरकार विकास करावैं भी सैं। म्हारे दादा-पड़दादा के टैम पै भी यें ए बात थी। बेरा नहीं यू विकास कद सी पूरा होवैगा? सरकारें कड़े ताहीं करणा चाहवैं सैं और लोग कड़े ताहीं करवाणा चाहवैं सैं।

-भाई रसीले म्हारे पहलड़े जा लिए, हाम भी कदे सी न्यूए चले जांगे। पर लोगां की जरुरत पूरी कोन्या होई। पहल्यां जिब कुछ विकास ना था जिब आदमी सुख का सांस लेवैं थे। क्याएं की टेंशन ना थी। ईब जितणा विकास होवै सै, टेंशन उतणी ए ज्यादा हो री सैं। क्योंकि लोगां कै ठाल लाग गी।

-छबीले सरकार चाहे कितणी ए सुविधा दे दे, पर लोगां का पेटा कोन्या भरता। लोग न्यू चाहवैं सैं अक बिना कुछ करे-धरे घर में सारी सुख सुविधा होज्यां। बढ़िया खाणा पीणा होज्या और बालकां नै किसे चीज की कोई कमी ना रहै। शर्त यो सै अक कुछ काम धाम ना करणा पड़ै।

-रसीले, कुछ पार्टी इसी सैं अक लोगां नै बिजली पानी और घणीए सुख सुविधा फ्री में देणे की बात कहैं सैं। पड़ौसी देस श्रीलंका में बतावैं सै अक फ्री के चक्कर में देस का तिया-पाचा होग्या।

- भाई, फ्री की सेवा की कोई कद्र कोन्या होती। और सुण, मर्ज में फ्री की दवा भी कम असर कर्‌या करै। महंगे डाक्टर की दवाई लेकै मरीज न्यू कहा करैं, डाक्टर एंडी सै भाई। और जो डाक्टर फ्री में इलाज कर देगा, उसनै मरीज न्यू कहगा- किमै ना डाक्टर, बेरा ना किसा इलाज कर्‌या सै। गोज में तैं नोट लिकड़ते ही डाक्टर पै भरोसा होण लागज्या सै।

-भाई छबीले, मेरा मानना सै, लोगां नै केवल सरकारां के भरोसे पै नहीं रहणा चाहिए। कुछ आपणा दिमाग लगाकै भी काम करणे चाहिएं।

-भाई आपणा दिमाग तो जिब लावैं ना जिब किसे की आपस में बणती हो? एक दूसरे तैं परेशान रहैं सैं। ईब मान लिया एक गली टूटी होई सै। वो ठीक करणी सै। आपस में मिल मिलाकै भी ठीक कर सकैं सैं। पर न्यू कहैंगे- हामनै के। पंचायत करावै या सरकार करावै।

- थोड़ी सी मेहनत बाबत दुखी होए रहैंगे। पर काम कै हाथ कोन्या लावैं। इज्जत में फर्क पड़ज्या।

-भाई सारे कै यो ए रौला सै। नाक यानी अहंकार नै आगै राखैं सैं।

-अरै छबीले, मैं जब किसी बात पै अड़ौसी पड़ौसियां नै समझाण लागज्या सूं ना तो लोग मनै न्यू कहैंगे- रहणदे कानून मंत्री।

- भाई बड्डे स्याणे कहगे और कहते आ रे सैं अक आपणा, आपणे परिवार का, समाज का, गाम का और राष्ट्र का सही मायने में विकास करणा सै, तो मिलकै रहो। सकारात्मक सोच राखो। सहयोग की भावना राखो। भाई, पड़ौसी या कोई और, सबतैं प्रेम राखो, एक दूसरे की मदद करो। मिल जुलकै रहंगे, एक दूसरे की परेशानी नै समझैंगे और उनका समाधान करेंगे तो असली विकास जिबै होवैगा। एक दूसरे तैं जलन में और टांग खिंचाई करण में विकास कोन्या, विनास होवैगा।

- हां भाई, छोटे छोटे कामां खातिर सरकार घरां चालकै कोन्या आवै। लिहाज शर्म तारकै मेहनत करणी पड़ैगी और सरकार का सहयोग भी करणा पड़ैगा।

-मैं तो न्यू कहूं सूं छबीले, अक सारे गाम आल्यां नै मिलकै गली, सीवरेज, पीने का पानी, तालाबों का उद्धार, गलियां की सफाई और कोई गाम साझला काम इस तरियां कर देणा चाहिए अक पूरे इलाके में किलकी पाटज्या। गाम के भीतर और चौगरदे कै पेड़ पौधे इतणे लाद्‌यो अक आक्सीजन की भरमार होज्या। बाहर के लोग भी गाम में सांस लेण आवैं।

-रसीले, बतावैं सैं, जवाहरलाल के टैम पै जिब रूस का राष्ट्रपति गांव भटगांव में आया था तो गाम आल्यां नै सारे बिटोड़ां पै सफेदी कर दी थी।

-मनोज प्रभाकर

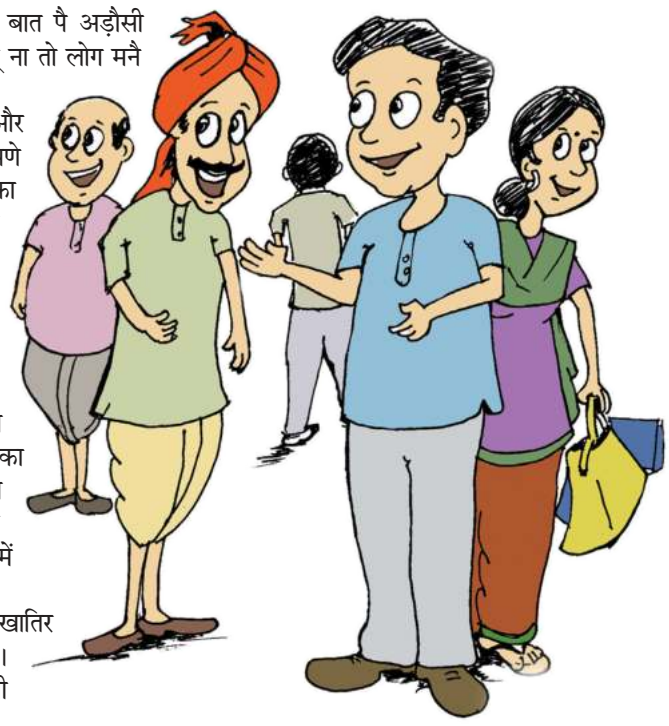

पर्यावरण दिवस

पर्यावरण बचाओ भाई

पेड़ ही पेड़ लगाओ भाई।
पर्यावरण बचाओ भाई।।
घर-घर में जब पेड़ लगेंगे,
आँगन कलरव से चहकेंगे,
जागो और जगाओ भाई।
करते पेड़ जरूरत पूरी,
पेडों से मत रखना दूरी,
पेड़ मित्र बनाओ भाई।
पेड़ो से छाए हरियाली,
जीवन में आए खुशहाली,
मिलकर रौनक लाओ भाई।
घर-घर करना वृक्षारोपण,
करो प्यार से पालन पोषण,
कदम बढ़ाओ भारती भाई।

भूपसिंह 'भारती'

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com